# सबकुछ छोड़, स्वच्छ होकर जाने के लिए तैयार हो जाओ...!!

ये विश्व एक सुन्दर ड्रामा है। हम सभी आत्माएं पार्ट बजा रही हैं। याद रखेंगे हम ड्रामा को यूज़ कैसे-कैसे करें जो हमारी स्थिति अचल-अडोल हो जाए, जो हमारा चित्त शांत हो जाए। तो ड्रामा में सबका भाग्य अपना-अपना है। ड्रामा में सबके कर्मों की कहानी अपनी-अपनी है। इस ड्रामा में जो भी जिसके साथ हो रहा है उसका ज़िम्मेदार वो स्वयं ही है। बड़ा कष्ट होता है ना सबको, जब वो अपने प्रियजनों को कष्ट होते हुए देखते हैं और हमें ये तो पता नहीं होता कि इनके कर्मों की कहानी क्या है? और बिना विकर्मों के किसी को कष्ट नहीं मिलता।

कुछ बच्चे जन्म से ही दुःखी दिखाई देते हैं। जो मनुष्य का बचपन होता है खेलने, कूदने, हँसने, बहलने का, निश्चितंता का वो उनको है ही नहीं। जन्म लिया और लगता है कि किसी मानसिक डिफेक्ट से प्रभावित हैं ये आत्माएं। किसी के हर्ट में छेद है, किसी की आँखें गड़बड़ा रही हैं। किसी का ब्रेन डेवलप नहीं हुआ है। इन सबके पीछे मनुष्य के कर्म ही हैं। पाप कर्म कह सकते हैं हम। तो हमें इस ज्ञान को याद रखते हुए कि सबके कर्म ही जो कुछ भी उसके साथ हो रहा है उसके लिए ज़िम्मेदार हैं। अपने को बहुत हल्का करना होगा। और अब मदद करनी होगी ऐसी आत्माओं की।

मान लो आपका बच्चा बचपन से ही किसी विशेष व्याधि से ग्रस्त है, वो सफर कर रहा है तो आपका ये कर्त्तव्य है कि आप उसे मदद करें। मेडिकली हो सके तो मेडिकली, नहीं तो स्पिरिचुअली। और स्पिरिचुअल पॉवर में और ज्ञान में बहुत बड़ी शक्ति है। जो बिगड़े हुए खेल को भी ठीक कर देती है। तो मदद करना, वायब्रेशन्स देना, उनके लिए योग अभ्यास करना ताकि उनके पूर्व के विकर्म नष्ट हों। दो हाथ मिलें। सब जानते हैं कि राजयोग के माध्यम से पास्ट के जो विकर्म हैं, पापकर्म हैं वो जलने लगते हैं। अगर आप एक अच्छा योग करते हैं, अच्छा माना एकाग्रता के साथ प्रारम्भ करेंगे तो सात दिन के बाद ही आपको उसका इफेक्ट दिखने लगेगा। और साथ में ये भी संकल्प कर दें कि जो इनको ये तकलीफ हो रही है, जो इनका पीछे विकर्म है वो इस योगबल से नष्ट हो जाए। तो योग की शक्ति उधर ही चलेगी, डायरेक्ट हो जाएगी। और वो विकर्म जैसे-जैसे नष्ट होगा वैसे-वैसे उसकी बीमारी में राहत मिलती रहेगी।

**वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई**

**हम बहुत सौभाग्यशाली हैं जो इस सृष्टि चक्र में स्वयं भगवान ने हमें चुना। भगवान की नज़र हम पर पड़ी और याद दिलाया बच्चे तुम ही सतयुग के मालिक थे। अब वो ही घड़ी ड्रामा के अंदर आ पहुँची। आप जो भी इन आँखों से देख रहे हैं वह सब परिवर्तन होगा। आप तैयार हो जाओ। स्वयं परमात्मा आपको दुःखों से छुड़ाकर, श्रेष्ठ श्रृंगार कर वापिस ले जायेंगे। ये सुहावना समय बाप और बच्चों के मिलन से सर्व कमी-कमज़ोरियों व पाप को दग्ध कर फिर से अपनी राजधानी में राज्य करना है। तैयार हो जाइए, इस समय का लाभ उठाइए।**

तो ड्रामा का इस तरह हम यूज़ करेंगे।

ड्रामा का यूज़ के बारे में हम पहले भी चर्चा कर आये हैं कि हमें क्या, क्यों के क्वेश्चन से पार रहना है। सबको मिला हुआ पार्ट सब बजा रहे हैं। इसलिए यहाँ किसी का कोई दोष नहीं है। तो एक प्रैक्टिस करेंगे, नो क्वेश्चन। अच्छा चिंतन करके नो क्वेश्चन और नो कम्प्लेन की अच्छी अनुभूति कर लें। सब निर्दोष हैं वो तो उन्हें पार्ट मिला हुआ है। अगली बात जो बहुत गहरी है। ये ड्रामा पूरी तरह कल्याणकारी है। ड्रामा का हर सीन कल्याणकारी है। जबकि हमें दिखता है कि ये तो कल्याणकारी नहीं है। तो हम इसकी गुह्यता को समझते हुए चलें। क्योंकि किसी कर्म के कारण वो बुरा सीन आया है। कर्म हटते ही वो बुरा सीन भी लोप हो जाएगा। थोड़ी हमें वेट अवश्य करनी पड़ती है। लेकिन अपने-अपने ज्ञान-योग को बहुत अच्छा बढ़ाते चलना है। तो ये ड्रामा का हर सीन बहुत कल्याणकारी है। बहुत अच्छा चिंतन करेंगे।

मैं बहुत सारे उदाहरण दे सकता हूँ, आने वाले समय में बहुत खून बहेगा धरा पर लेकिन उसमें कल्याण क्या होगा, धरती फिर से उपजाऊ हो जाएगी। जो धरती अब फल नहीं दे रही है वो धरती फिर से इतनी उपजाऊ हो जाएगी कि सहज भाव से अन्न, फल प्रकृति की सब चीज़ मनुष्य को प्राप्त हुआ करेगी। देखो कपड़े तो बनेंगे ना बहुत सुन्दर देवताओं के। उन कपड़ों को बनाने के लिए किसानों के पास जो साधन होते हैं वो भी आएंगे। जिस तरह की खेती होती है वो भी होगी। कोई चीज़ फलों से, फूलों से निकलती है। कोई विशेष तरह के पौधों से निकलती है। धागे बनते हैं, कुछ कपास से बनते हैं। वो सब चीज़ें बड़ी सहज भाव से उगती रहेंगी। क्योंकि प्रकृति देवताओं की दासी होगी, सबकुछ प्रदान करेगी। तो हमें बहुत अच्छा चिंतन करना है और हमारे साथ जो कुछ भी होता है उसको इस नज़र से देखना है कि ये सब कल्याणकारी है। बहुत बुरा-बुरा भी होता है, मान लो एक्सीडेंट हो गया दो लोगों की मृत्यु हो गई तो सोचना भी मुश्किल है कि ये कल्याणकारी है। बोलने से तो नुकसान हो जाएगा। लेकिन उसके पीछे क्या कल्याण था, उन आत्माओं के कर्मों की गुह्य गति क्या काम कर रही थी जो उसी स्पॉट पर, उसी कारण से, उन्हीं साधनों से उसका एक्सीडेंट हो गया और उसकी मृत्यु हो गई। ये चीज़ जब हम जानते जाएंगे तो हमारा मन बहुत निरसंकल्प होता जाएगा।

तो ड्रामा को ज़रा विशाल दृष्टि से देखें। हमने हीरो पार्ट बजाए हैं। सतयुग से पार्ट बजाते-बजाते मैं आत्मा कलियुग के अन्त में आ गई हूँ। अब मुझे घर वापिस चलना है। तो इस ड्रामा के कुछ और वंडरफुल सीन हमें देखने होंगे। महाविनाश होगा, महान परिवर्तन होगा। वो हमें देखना पड़ेगा लेकिन उसके बाद कल्याण ये होगा कि इस धरा पर स्वर्ग आ जाएगा। पाप आत्माएं, कलियुग की ये गंदगी सब नष्ट जाएंगी। तो हम इस ड्रामा को आदि से अंत तक देखा करें कि अब समय आया है, हमें सबकुछ छोड़कर वापिस चलना है।

**सरकाघाट-हि.प्र.।** राज्यस्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. निर्मला एवं ब्र.कु. उर्मिला। साथ हैं अन्य अतिथिगण।

**नई दिल्ली-हरि नगर।** दिल्ली सचिवालय में दिल्ली के कैबिनेट मंत्री मनजिंदर सिंह,सिरसा से ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. ज्योति, ब्र.कु. शालू व ब्र.कु. नवीन।

**भुरकुंडा-पतरातू(झारखंड)।** ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा लगाई चैतन्य देवियों की झाँकी व आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी में सांसद मनीष जायसवाल को ईश्वरीय सौगात भेंट करने के पश्चात् साथ हैं ब्र.कु. रामदेव तथा अन्य।

**पणजी-गोवा।** गोवा में दिव्यांगजनों के लिए आयोजित 'अंतर्राष्ट्रीय पर्पल फेस्टिवल 2025' में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा लगाए गए स्टॉल में गोवा सरकार के जल संसाधन मंत्री सुभाष शिरोडकर को ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए ब्र.कु. शोभा दीदी,सिंधुदुर्ग। साथ हैं अन्य।

**नई दिल्ली-हरि नगर।** ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र पर प्री-दीपावली के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. ऊषा दीदी, राजयोगिनी ब्र.कु. अनुसुईया दीदी तथा अन्य हरि नगर ज़ोन से जुड़ी ब्रह्माकुमारी बहनें।

**जयपुर-वैशाली नगर(राज.)।** ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की पूर्व मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि के 18वें स्मृति दिवस पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में सभी अतिथियों का सम्मान करने के पश्चात् समूह चित्र में ब्र.कु. अनामिका,गोविंद नगर, विधायक स्वामी बालमुकुंद आचार्य,हवामहल, उद्योगपति प्रताप महेश्वरी तथा अन्य ब्रह्माकुमार भाई-बहनें।

**राँची-झारखंड।** दीपावली के अवसर पर ब्रह्माकुमारीज़ चौधरी बागान में आयोजित चैतन्य देवियों की झाँकी का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी, एसएस मेमोरियल कॉलेज के प्रोफेसर डॉ. रानी प्रगति, झारखंड स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सा अधिकारी डॉ. शान्तना, मारवाड़ी युवा मंच के समर्पण शाखा अध्यक्षा पूजा अग्रवाल, गोस्सनर कॉलेज के दर्शन शास्त्र विभागाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता, झारखंड मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री संजय सराफ, जगन्नाथपुर मंदिर न्यास समिति के उपाध्यक्ष अशोक नारसरिया, इरकों के मानव संसाधन प्रबन्धक संजय कुमार सहाय, नेत्ररोग विशेषज्ञ डॉ. अभिषेक सिंह, योग प्रशिक्षक स्वामी मुक्तरथ, अधिवक्ता कौशल राजगढ़िया, ए.जी. ऑफिस के डी.ए.जी. सदानंद नस्कर, समाजसेवी अनुराधा सराफ एवं प्रभात खबर के ब्रांड इवेंट प्रबन्धक रश्मि जायसवाल।

**बरेली-सिविल लाइंस(उ.प्र.)।** नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत बरेली के जय नारायण विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् सभी विद्यार्थियों को नशा मुक्ति की प्रतिज्ञा कराते हुए ब्र.कु. नीता, ब्र.कु. प्रियंका, ब्र.कु. लक्ष्मी, ब्र.कु. अनुराग, कॉलेज प्रधानाचार्य रवि शरण चौधरी तथा अन्य।

**पटना सिटी-पंचवटी कॉलोनी(बिहार)।** दशहरा के अवसर पर सहारा वृद्धाश्रम,गुलजारबाग में ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेन्द्र द्वारा आयोजित 'सम्मान के साथ वृद्धावस्था' विषय पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. रानी, वृद्धाश्रम,गुलजारबाग के अधीक्षक दीपक कुमार सेन तथा अन्य।

**भुवनेश्वर-बीजेबी नगर(ओडिशा)।** गांधी जयंती के अवसर पर ओडिशा विधान सभा में राज्य स्तर पर आयोजित कार्यक्रम के पश्चात् समूह चित्र में आमंत्रित ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की तरफ से स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. तपस्विनी, ब्र.कु. मंजू प्रभा,निदेशिका एनजीओ कार्ड, ओडिया भाषा,साहित्य एवं संस्कृति विभाग की सहायक निदेशिका श्रीमती सुचिस्मिता मंत्री, गायिका श्रीमती संगीता, सिक्ख व मुस्लिम समुदाय के प्रतिनिधि तथा अन्य।

**दिल्ली-छज्जूपुर।** दीपावली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली के उत्तर पूर्वी जिले की भाजपा उपाध्यक्षा डॉ. दीपमाला सिंह को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी। साथ हैं ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. श्वेता, ब्र.कु. पिंटू तथा अन्य।